

कर्मेन्द्रियों से युक्त है (पाँच कोश- अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय और आनंदमय)।

मनोमल पुं. (तत्.) मनो. मन का वह मैल, जो बुद्धि को काम नहीं करने देता, अज्ञानता और अनियंत्रित वासना भी मनोमल अर्थात् मन का मैल हैं।

मनोमालिन्य पुं. (तत्.) मनो. किसी के प्रति अप्रिय भाव स्थिर हो जाना, मन में रंजित उत्पन्न होना, घृणा से पूर्व की स्थिति।

मनोमिति स्त्री. (तत्.) मनो. व्यवहार की मात्रा मापने की इकाई। व्यक्तिगत व्यवहारों में, आचार आदि के आधार पर भेद संभव है, इस भेद को मनोविज्ञान में मापने की व्यवस्था है।

मनोमोद पुं. (तत्.) मनो. आमोद-प्रमोद, ऐसी अवस्था जिस में मन-मस्तिष्क प्रसन्नता के वातावरण में रहता है, मनोरंजन, मनोविनोद, आह्लाद।

मनोमोही वि. (तत्.) मनो. मन को मोहित करने वाला, आकर्षक, मन को ललचाने वाला।

मनोयोग पुं. (तत्.) मनो. मन को रुचिपूर्वक किसी विषय में संलग्न करना, एकाग्रता, दत्तचित्त होने की अवस्था।

मनोरंजक वि. (तत्.) मन को रंजित करने वाला, दिल को खुश करने वाला, आनंद प्रदान करने वाला।

मनोरंजन पुं. (तत्.) मन की प्रसन्नता, दिल की खुशी, हर्ष।

मनोरंजन कर पुं. (तद्.) सार्वजनिक रूप से मनोरंजक कार्यक्रम दिखाए जाने पर लगने वाला कर, जो प्रवेश टिकट के मूल्य के साथ ही जुड़ा होता है।

मनोरथ पुं. (तत्.) मन में उत्पन्न होने वाली तीव्र इच्छा, अभिलाषा, मनोकामना, भारतीय महिलाएँ मनोरथ पूर्ति के लिए विशेष तिथियों पर व्रत भी रखती हैं जैसे- कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को करवा चौथ का व्रत, पति की दीर्घ आयु के मनोरथ से रखा जाता है।

मनोरथ भंग पुं. (तत्.) मनो. आकांक्षा पूरी न होने के कारण उत्पन्न व्याकुलता, कुंठा, नैराश्य।

मनोरम वि. (तत्.) मनो. जिसमें मन रम जाए, जो मन को अच्छा लगे, पसंद, आकर्षक, मनपसंद पुं. (तत्.) 1. काव्य. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः चार सगण और दो लघु के योग से 14 वर्ण होते हैं 2. एक सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 14 मात्राएँ होती हैं, आदि में गुरु होता है और अंत में यगण अथवा भगण होता है।

मनोरमा वि. (तत्.) मन को अच्छी लगने वाली, सुंदर, सुशील स्त्री स्त्री. तत् 1. सुंदर, आकर्षक स्त्री 2. व्यक्तिगत नाम, महिलाओं के लिए।

मनोरा पुं. (देश.) दीपावली के पश्चात् पूजे जाने वाले चित्र जो दीवार पर गोबर से बनाए जाते हैं।

मनोराज पुं. (तत्.) मनो. मन में जागृत कल्पनाओं का संसार, वासनाओं का संचार, ख्याली पुलाव।

मनोराज्य पुं. (तत्.) यथार्थ से दूर मधुर कल्पनाओं का संसार, जो मन-मस्तिष्क पर छा जाता है, मन रूपी राज्य।

मनोरोग पुं. (तद्.) मनो. मानसिक रोग परिगणित शारीरिक रोगों के अतिरिक्त मानसिक रोगों का व्यक्ति के आचरण आदि पर काफी प्रभाव पड़ता है। यही विकार मनोरोग कहलाते हैं।

मनोरोगी पुं. (तद्.) मनो. मानसिक रोग से ग्रस्त व्यक्ति।

मनोलय पुं. (तद्.) मनो. अंधकार में मन के विलीन होने का भाव, विवेक का नाश, बुद्धि का नाश।

मनोलीला स्त्री. (तत्.) मनो. मानसिक इच्छा की लीलाएँ, इन लीलाओं का तर्क संगत होना आवश्यक नहीं है, मन की क्रीड़ा।

मनोलौल्य पुं. (तत्.) मनो. मन की चंचलता, मन की तरंग, मन में उठने वाली कोई मनोहर लहर।

मनोल्लास पुं. (तत्.) मनो. मन का उल्लास, मन का उत्साह, मन की उमंग, किसी भी उद्दीपन से मन के उल्लसित होने की भावना।